(१०) झुलाय दइयो पलना...

झुलाय दइयो पलना धीरे–धीरे...2 ॥ टेक ॥

झिलमिल मोती झालर झूमे, मैया ललन का मुखड़ा चूमे,
मुस्काय रहे ललना धीरे–धीरे ॥ 1 ॥

त्रिशला माता पलना झुलावे, सिद्धारथ नृप मोती लुटाये;
सो जाए रे ललना धीरे–धीरे ॥ 2 ॥

चन्दन का पलना रेशम की डोरी, रतन जड़े हैं चारों ओरी;
उनसे किरणें निकलना धीरे–धीरे ॥ 3 ॥

मङ्गल गीत गये सुरनारी, बलि–बलि जावे आज पुजारी;
भवदधि से तरना धीरे–धीरे ॥ 4 ॥